न्यूज़ टुडे

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में केरल और कर्नाटक में ISIS आतंकवादियों की बढ़ती संख्या को लेकर चेतावनी जारी की गई है

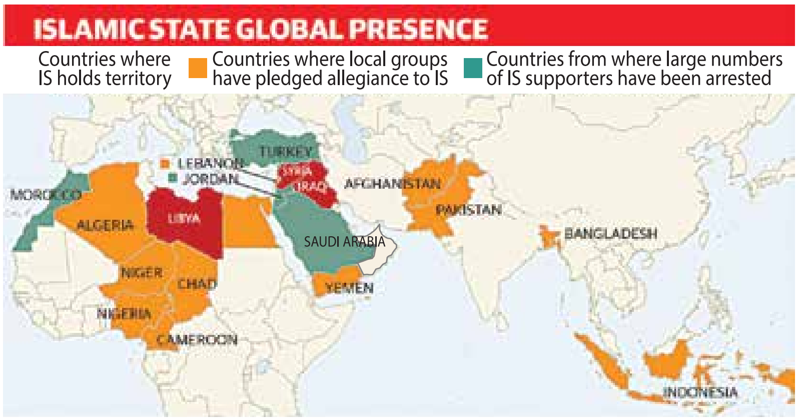

Source: Heritage Foundation research and various reports.

- इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि केरल और कर्नाटक में ISIS आतंकवादी अधिक संख्या में मौजूद हैं। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि:
  - **भारतीय उपमहाद्वीप में अल–कायदा (Al-Qaeda in the Indian Subcontinent: AQIS)** नामक एक आतंकी समूह इस क्षेत्र में हमले की योजना बना रहा है।
  - IS के भारतीय सहयोगी **'हिंद विलायाह'** में लगभग 180 से 200 सदस्य हैं।
- **इस्लामिक स्टेट ऑफ़ इराक एंड सीरिया (ISIS)** को IS, ISIL या दायेश (Daesh) के नाम से भी जाना जाता है। यह हिंसक विचारधारा आधारित एक सुन्नी जिहादी समूह है। इस समूह ने वर्ष 2014 से पूर्वी सीरिया एवं संपूर्ण उत्तरी और पश्चिमी इराक़ के क्षेत्रों पर वृहद पैमाने पर आधिपत्य स्थापित किया हुआ था।
  - वर्ष 2019 में, IS ने भारत में **हिंद विलायाह** नामक एक नए प्रांत की स्थापना करने का दावा किया था।
- **भारत में आतंकी खतरे से निपटने के लिए उठाए गए कदम:**
  - **कट्टरता को कम करने के लिए अभियान (De-radicalisation drives):** उदाहरण– केरल में आरंभ किया गया ऑपरेशन पिजन (Operation Pigeon);
  - केंद्र और राज्यों की आसूचना एवं सुरक्षा एजेंसियों के मध्य समन्वय में वृद्धि;
  - आसूचना एकत्र करने के लिए डाटाबेसों को जोड़ने के आशय के साथ **राष्ट्रीय आसूचना ग्रिड (National Intelligence Grid: NATGRID)** का प्रस्ताव;
  - **राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (National Investigation Agency):** यह भारत में आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए एक विशेषीकृत एजेंसी है।

NSO के एक सर्वेक्षण के अनुसार, विगत दो दशकों में संस्थागत प्रसव में वृद्धि हुई है

- **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (National Statistical Office: NSO)** द्वारा **भारत में स्वास्थ्य की स्थिति** पर किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार:
  - विगत दो दशकों में, अस्पताल (या स्वास्थ्य देखभाल संस्थान) में प्रसव कराने वाली महिलाओं के अनुपात में **ग्रामीण भारत में लगभग 73 प्रतिशत और शहरी भारत में 37 प्रतिशत बिंदु** की वृद्धि हुई है।
  - **बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए** प्रत्येक 10 में से कम से कम 9 महिलाएं किसी न किसी अस्पताल में बच्चे को जन्म देती हैं।
  - अस्पताल में प्रसव कराने वाली **28.1 प्रतिशत महिलाएं सीज़ेरियन–सेक्शन या सी–सेक्शन सर्जरी (अर्थात् शल्यक्रिया द्वारा प्रसव)** द्वारा शिशुओं को जन्म देती हैं, जिससे बच्चे के जन्म के लिए कुल लागत बढ़ जाती है। {विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार इसकी आदर्श दर 10 से 15 प्रतिशत है।}
- **सी–सेक्शन सर्जरी की उच्च दर के कारण:** व्यक्तिगत प्राथमिकताएं, अधिक आयु की माताएं और निजी क्षेत्र के अस्पतालों की भूमिका।
- संस्थागत प्रसव के कारण **मातृ और नवजात शिशु मृत्यु दर** का जोखिम अत्यधिक कम हो जाता है।
  - उदाहरणार्थ– **शिशु मृत्यु दर (Infant Mortality Rate: IMR)** (एक वर्ष में 1,000 जीवित जन्मों पर एक वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु) वर्ष 1971 के 129 से घटकर वर्ष 2018 में 32 रह गई है।
- **संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं:** जननी सुरक्षा योजना (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत), प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आदि।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 403 अवसंरचना परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हुई है और 530 परियोजनाओं के समापन समय में बढ़ोतरी हुई है

- ये परियोजनाएं 150 करोड़ रुपये और उससे अधिक की 1,686 परियोजनाओं में शामिल हैं।
  - **समग्र लागत में वृद्धि मूल लागत की लगभग 19.60% है** और औसत समय में बढ़ोतरी लगभग 41.16 माह है।
  - वर्तमान में, **MOSPI** द्वारा 150 करोड़ रुपये और उससे अधिक मूल्य की अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी की जाती है।
- **लागत एवं समय–सीमा में बढ़ोतरी के कारण:**
  - भूमि अधिग्रहण और वन/पर्यावरण स्वीकृतियों में विलंब तथा अवसंरचना समर्थन एवं लिंकेज का अभाव।
  - **परियोजनाओं के वित्त–पोषण से संबंधित मुद्दों** के कारण निर्माण कार्य को प्रारंभ करने में विलंब हो रहा है।
  - टेंडर एवं ऑर्डर प्रक्रिया और उपकरण आपूर्ति में विलंब।
  - **संशोधित लागत अनुमानों के दर्ज न होने से** अंडर–रिपोर्टिंग की समस्या उत्पन्न हुई है।
  - **कानून एवं व्यवस्था की समस्याएं,** भूवैज्ञानिक घटनाएं आदि।
- **सुझाव:**
  - पूर्व–नियोजन की प्रक्रिया और निर्माण–स्थल की जांच में निवेश, खरीद प्रक्रिया में सुधार, अनुबंध प्रबंधन (contract management) को सुदृढ़ बनाना, सहयोगपूर्ण नियोजन आदि के माध्यम से **प्रक्रियाओं और क्षमताओं में सुधार करना।**
  - **लोक प्रबंधन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना** अर्थात् निर्णय लेने की प्रक्रिया के प्रत्यायोजन (delegation) के साथ जवाबदेही तय करना, नवीन प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देना, विरासत (legacy) संबंधी चुनौतियों का समाधान करना आदि।
  - भूमि अधिग्रहण और विनियामकीय अनुमोदनों के लिए **हितधारक प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना।**
- **इस दिशा में उठाए गए कदम: राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (National Infrastructure Pipeline)** को आरंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य परियोजना को मूर्त रूप देने की प्रक्रिया में सुधार करना है; मंत्रालयों में परियोजना विकास प्रकोष्ठ (Project Development Cells) की स्थापना की गयी है; निर्माण, परिचालन और हस्तांतरण (Build-Operate-Transfer: BOT) मॉडल के लिए **संशोधित मॉडल रियायत समझौता (revised Model Concession agreement)** को अंतिम रूप दिया है आदि।

ग्लोबल बैंकिंग ग्रुप के अनुसार, वित्त वर्ष 2021 में भारत में आने वाले में विप्रेषण (remittances) में 25 प्रतिशत की कमी आएगी

- **कोविड–19 महामारी से प्रेरित आर्थिक संकट** को इसके लिए उत्तरदायी माना गया है।
  - हाल ही में, खाड़ी देशों में कार्यरत कई भारतीयों को अपनी **नौकरियों से वंचित होना पड़ा** और शीघ्र ही अनेक कर्मियों को छंटनी का भी सामना करना पड़ सकता है।
- इस रिपोर्ट के अनुसार, **तेल की कीमतों में होने वाली प्रत्येक 10 प्रतिशत की कमी,** दीर्घकाल में भारत में आने वाले विप्रेषण में 7 प्रतिशत तक की कमी कर सकती है।
  - **संयुक्त राज्य अमेरिका का कमजोर आर्थिक परिदृश्य प्रवासी श्रमिकों के नियोजन और/या आय** पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करेगा।
- विप्रेषण उस **मौद्रिक अंतरण के मूल्य को संदर्भित** करता है, जिसे 1 वर्ष से अधिक समय तक **विदेश में रहने वाले श्रमिकों द्वारा स्वदेश में भेजा** जाता है।
  - वित्त वर्ष 2020 में, भारत को इसकी GDP के 2.7 प्रतिशत के समतुल्य विप्रेषण राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार, यह विश्व में सर्वाधिक विप्रेषण (मूल्य के संदर्भ में) प्राप्त करने वाला देश बन गया है।
  - इस विप्रेषण का आधे से अधिक हिस्सा **खाड़ी देशों** से प्राप्त हुआ है।
- **विप्रेषण का महत्व:**
  - **यह चालू खाता (current account) संतुलन को स्थिरता प्रदान करता है:** चालू खाते के अंतर्गत निवल आय, ब्याज और लाभांश तथा विदेशी सहायता, विप्रेषण, अनुदान आदि जैसे अंतरण (transfers) शामिल होते हैं।
  - इसके अतिरिक्त, **विप्रेषण** शिक्षा पर अधिक व्यय, वंचित परिवारों में बाल श्रम की समाप्ति, निर्धनता उन्मूलन और पोषक आहार में सुधार आदि से भी संबंधित है।
  - हाल ही में, सरकार ने विदेशों से लौटने वाले नागरिकों के **कौशल मापन (skill mapping) के लिए स्किल्ड वर्कर्स अराइवल डेटाबेस फॉर एम्प्लॉयमेंट सपोर्ट (स्वदेश/SWADES)** पहल का शुभारंभ किया है।

ग्रामीण विकास के लिए राज्यों को 'वित्तीय प्रबंधन सूचकांक' (Financial Management Index: FMI) के आधार पर रैंकिंग प्रदान की जाएगी

- निम्नलिखित मानकों के आधार पर **राज्यों के प्रदर्शन को रैंकिंग प्रदान करने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा FMI का प्रारंभ** किया गया है:
  - वार्षिक योजना तैयार करना, खर्च के लिए निर्धारित राज्य के हिस्से को शीघ्र जारी करना, निधियों का समय पर उपयोग करना और उपयोगिता (utilization) प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना आदि।
  - **सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (Public Financial Management System: PFMS)** और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण का सर्वोत्कृष्ट कार्यान्वयन।
    - PFMS एक वेब–आधारित प्लेटफॉर्म है, जो धन के प्रवाह की निगरानी और नियंत्रण में कार्यान्वयन एजेंसियों को सहायता प्रदान करता है।
  - आंतरिक लेखा परीक्षा और सामाजिक लेखा परीक्षा।

इस सूचकांक के लाभ:
- यह **पारदर्शिता के साथ–साथ प्रतिस्पर्धी एवं सहकारी संघवाद** की भावना को भी बढ़ावा देगा।
- राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए **निधियों के सर्वोत्कृष्ट उपयोग पर बल दिया गया है।**
- यह ग्रामीण स्तर पर विकास कार्यों के लिए **निधियों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देगा।**
- लेखा परीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से **किसी भी अनियमितता की जाँच की जा सकेगी।**

- इसी तर्ज पर, हाल ही में **पंचायती राज मंत्रालय** ने देश भर के लगभग 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में से 20% का **ऑनलाइन लेखा परीक्षण करने का निर्णय किया है।**
  - इसे पंचायती राज मंत्रालय द्वारा ई–पंचायत मिशन मोड परियोजना के तहत **ऑडिट–ऑनलाइन (एक ओपन–सोर्स एप्लिकेशन)** के माध्यम से संचालित किया जाएगा।
  - यह **अभिलेखों (records) तक पहुंच को सुगम बनाएगा।** इन अभिलेखों की जिला, राज्य और केंद्र स्तर पर निगरानी की जा सकती है।

अन्य सुर्खियाँ

ओपन क्रेडिट इनेबलमेंट नेटवर्क (Open Credit Enablement Network: OCEN)	○ यह **नई क्रेडिट प्रोटोकॉल अवसंरचना** है, जो ऋण प्रदान करने की प्रक्रिया को लोकतांत्रिक बनाएगी। इससे छोटे उधारकर्ता सुगमता से धन प्राप्त करने में सक्षम हो सकेंगे। ○ यह एक सामान्य भाषा के रूप में कार्य करेगा। साथ ही, यह व्यापक पैमाने पर नवोन्मेषी व वित्तीय ऋण उत्पादों का उपयोग करने एवं उन्हें सृजित करने हेतु **उधारदाताओं और बाज़ार को भी आपस में जोड़ेगा।** ○ इसे **आईस्पिरिट (iSPIRT: Indian Software Products Industry Round Table)** नामक एक टेक्नोलॉजी थिंक टैंक द्वारा विकसित किया गया है।
उन्नत भारत अभियान (Unnat Bharat Abhiyan: UBA)	○ ट्राइफेड अर्थात् **भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India: TRIFED)** ने जनजातीय समुदायों के लिए **आजीविका के अवसरों और आय सृजन को बढ़ावा देने के लिए** UBA के तहत IIT, दिल्ली के साथ साझेदारी की है। ○ UBA वस्तुतः **मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक पहल** है, जो ग्रामीण समुदायों की आर्थिक और सामाजिक बेहतरी के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को गांवों के साथ जोड़ती है। ➢ इसका उद्देश्य उभरते व्यवसायों को जानकारी उपलब्ध कराकर **समाज एवं समावेशी शैक्षणिक प्रणाली के मध्य एक कल्याणकारी चक्र का निर्माण करना** है। ○ **IIT, दिल्ली** UBA के लिए राष्ट्रीय समन्वय संस्थान (National Coordinating Institute: NCI) है।
सिद्दी समुदाय (Siddi community)	○ सिद्दी समुदाय को **कर्नाटक विधान मंडल में अपना प्रथम प्रतिनिधि** प्राप्त हुआ है। ○ ये भारत और पाकिस्तान में अधिवासित एक नृजातीय (ethnic) समूह हैं। ○ ये उत्तर–पूर्वी और पूर्वी अफ्रीका के अफ्रीकी लोगों (अफ्रीकी मूल) के वंशज हैं, जिन्हें गुलाम, सैनिक या सेवक के रूप में औपनिवेशिक काल में भारत लाया गया था। ○ भारत में, ये **गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश** के तटवर्ती क्षेत्रों में अधिवासित हैं। ○ **वर्तमान में इनकी अनुमानित जनसंख्या** 20,000 से 55,000 के मध्य है। ○ **धर्म:** सिद्दी प्रमुख रूप से सूफी मुसलमान हैं। हालांकि, इनमें से कुछ हिंदू और रोमन कैथोलिक ईसाई भी हैं।
पत्थलगड़ी आंदोलन (Pathalgadi Movement)	○ **पत्थलगड़ी आंदोलन** (शाब्दिक रूप से पत्थर गाड़ना) के तत्वावधान में झारखंड के कुछ जनजातीय समूहों ने अभिलेखों व एकाश्म शिलाओं की स्थापना की है, ताकि जनजातीय समुदायों को उनके संवैधानिक और अन्य अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। ○ इन शिलाओं पर उत्कीर्ण लेख सामान्यतया जनजातीय क्षेत्रों को पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 {Provisions of the Panchayats (Extension to Scheduled Areas) Act, 1996} के प्रावधानों के तहत प्राप्त **विशेष स्वायत्तता को रेखांकित करते हैं।** ○ **पत्थलगड़ी** झारखंड के जनजातीय समुदायों में प्रचलित एक प्राचीन परंपरा है। प्रायः जनजातियों द्वारा किसी व्यक्ति के जन्म या मृत्यु को चिन्हित करने के लिए शिलालेख स्थापित किए जाते हैं।
खज़न पारिस्थितिकी तंत्र (Khazan ecosystems)	○ यह गोवा के निचले बाढ़ग्रस्त मैदानों में प्रचलित **एक ज्वारनदमुखीय कृषि प्रणाली** (estuarine agricultural system) है। ○ ये पारिस्थितिक तंत्र मुख्य रूप से गोवा में **पुनर्निर्मित आर्द्रभूमि और मैंग्रोव क्षेत्र हैं,** जहां तटबंधों और जलमार्गों का निर्माण कर ज्वारीय प्रभाव को नियंत्रित किया जाता है। ○ यहाँ मुख्य रूप से धान की खेती की जाती हैं और यह एक मत्स्य पालन क्षेत्र भी है। ○ यह पारिस्थितिक तंत्र **कृषि क्षेत्रों और गांवों** को लवणता अंतर्वेधन (salinity intrusion), जलप्लावन (inundation) और बाढ़ से संरक्षण प्रदान करता है।
लेटेंट वायरल इंफेक्शन (Latent viral Infection: LVI)	○ यह एक ऐसा संक्रमण है, जिसमें विषाणु/जीवाणु **निष्क्रिय या प्रसुप्त अवस्था** में बने रहते हैं। निष्क्रिय संक्रमण (Latent infections) मेजबान के शरीर में तब तक बना रहता है, जब तक प्राथमिक संक्रमण विशिष्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया द्वारा समाप्त नहीं हो जाता है। ○ **यह सक्रिय संक्रमण के विपरीत होता है।** सक्रिय संक्रमण में एक वायरस द्वारा **सक्रिय रूप से प्रतिकृति बनाई जाती है** और संभावित रूप से लक्षण भी प्रकट होते हैं। ○ **LVI के उदाहरण:** हरपीज सिंप्लेक्स वायरस टाइप 1 और 2, HIV, साइटोमेगालो–वायरस आदि। ○ हाल ही में, **SARS-CoV-2 वायरस की निष्क्रियता (latency)** के संदर्भ में प्रश्न उन लोगों के मामलों में उत्पन्न हुए थे, जिनका कोविड–19 परीक्षण का परिणाम निगेटिव आने के उपरांत कुछ देर पश्चात् उनके परिणाम पॉज़िटिव पाए गए थे।
बेल्यो (BelYo)	○ **यह भारत का प्रथम कोविड–19 ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म है।** ○ यह वर्तमान में कोविड–19 से संबंधित **नागरिकों के नैदानिक और टीकाकरण डेटा** को उनके **भौतिक रूप से डिजिटल परिसंपत्तियों में परिवर्तित करेगा।** ○ इस डेटा को आरोग्य सेतु जैसे **कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग ऐप्स द्वारा पुनः प्राप्त किया** जा सकता है। ○ **विकासकर्ता: बेल्फ्रिक्स बीटी (BelfricsBT)** और **योसिन्क (YoSync)|** (बेल्फ्रिक्स बीटी, एक वैश्विक ब्लॉकचैन स्टार्ट–अप है तथा योसिन्क, IIIT बेंगलुरु स्थित एक स्टार्ट–अप है।
कश्मीरी केसर को भौगोलिक संकेतक टैग की प्राप्ति {Kashmir saffron gets geographical indication (GI) certificate}	○ कश्मीरी केसर **विश्व का एकमात्र केसर है, जिसे समुद्र तल से 1,600 मीटर की ऊंचाई पर उगाया जाता है।** ○ इसमें **लंबा और सघन वर्तिकाग्र (stigma), प्राकृतिक गहरे–लाल रंग, उच्च सुगंध आदि जैसी अनूठी विशेषताएं** पाई जाती हैं।